an>

Title: Need to take steps to make Barauni Junction and Gadhara Yard under Hazipur railway division functional.

डॉ. भोला सिंह (बेगूसराय) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से रेलवे मंत्रालय से एक गुजारिश करने के लिए खड़ा हुआ हूँ। पूर्व मध्य रेलवे अंचल के अंतर्गत बरौनी जंक्शन और गरहरा यार्ड, अपने जमाने का बेमिसाल जंक्शन रहा है, गरहरा यार्ड रहा है। लेकिन आज वह मरा हुआ है। लोको यार्ड समाप्त है। जो 12-14 सौ भवन हैं, वे भूतहा घर बने हुए हैं। उसे अंचल होना चाहिए था, परंतु राजनीति ने उसकी दिशा को और उसकी इच्छा और आकांक्षा को लहुलुहान कर दिया है। आज मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि बेगुसराह और बेहट के किसानों ने चार हज़ार एकड़ ज़मीन गरहरा यार्ड और रेलवे जंक्शन के लिए दिया था। तीन हज़ार एकड़ ज़मीन वीरान है, बेकार है, बेजार है और किसी की दृष्टि उस पर नहीं जाती है।

महोदया, यह सदन राष्ट्रीय अस्मिता की माँ है और उन सारे महापुरूषों की वाणी, उनके स्वर आज भी इस सदन में अगर शांति रहे तो सुनाई पड़ सकते हैं, लेकिन जिस ढंग से यह सदन भी अपनी गरिमा को राष्ट्रीय क्षितिज पर उपस्थापित करने में इस वक्त, इसके लिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ।

माननीय अध्यक्ष : आप जीरो ऑवर में अपनी बात रखिए।

डॉ. भोला सिंह: मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से आग्रह चाहता हूँ कि बरौनी जंक्शन को, गरहरा यार्ड को, जो त्याग और कुर्बानी का पूतिफल है, उसे एक जिंदगी दें, उसे एक अस्मिता दें और उसे विकास की योजनाओं से लबरेज करके बिहार के साथ, रेलवे मंत्रालय के साथ एक यादगार स्थिति बना दें।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं इस बात को समाप्त करता हूँ।

श्री जय प्रकाश नारायण यादव (बाँका) : महोदया, मैं इनके साथ असोसिएट करना चाहता हूँ।

माननीय अध्यक्ष : हाँ, आप असोसिएट करो।

श्री रामेश्वर तेली।